परियोजना कार्यक्रम प्रतिवेदन
(Programme Project Report)
Master of Arts (Sanskrit)
स्नातकोत्तर (संस्कृत)
Session 2020-2021

अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला-5

Programme Project Report (परियोजना कार्यक्रम प्रतिवेदन)

स्नातकोत्तर संस्कृत

i) कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programme's mission and objectives)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1970 ई. में हुई थी। इसकी स्थापना के बाद 1971 ई. में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने पत्रचार पाठ्यक्रम के निदेशालय की स्थापना करके शिक्षा के अवसरों के ज्ञान और प्रसार की दिशा में साहसिक कदम उठाया। इस विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर दूरस्थ शिक्षा के कार्यक्रम में संस्कृत विषय को रखकर उसे आरम्भ करने में अग्रणी भूमिका निभाई।इस कार्यक्रम के उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

- स्नातकोत्तर संस्कृत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संस्कृत उच्च शिक्षा से वञ्चित रह रहे दूरस्थ शिक्षार्थियों तक विषय को पहुँचाना है।
- इसका दूसरा उद्देश्य है विभिन्न कारणों से नियमित रूप से संस्कृत विषयमें पूर्णकालिक शिक्षार्थी के रूप में उच्च शिक्षा का लाभ न लेने वाले को दूरस्थ शिक्षा से जोड़ना है।
- इसका उद्देश्य शैक्षिक उत्कृष्टता, कौशल और उच्च अनुसंधान के रोजगारपरक अधिग्रहण के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा देना है।
- इस कार्यक्रम के माध्यम से संस्कृत भाषा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ शिक्षार्थियों को संस्कृत में उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रेरित करना भी उद्देश्य है।

ii) कार्यक्रम की प्रासंगिकता

(Relevance of the program with HEI's Mission & Goals)

यह कार्यक्रम दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों में विभिन्न प्रकार की भाषिक दक्षता उत्पन्न कर उन्हें परम्परा से परिचित कराता है। यह कार्यक्रम शिक्षार्थी की कुशलता, गुणवत्ता आदि में विस्तार करके उन्हें रोजगारपरक बनाता है। इसके अतिरिक्त यह कार्यक्रम उन रोजगारपरक शिक्षार्थियों के लिए भी उपयुक्त है जो रोजगार के साथ-साथ अपनी शिक्षा और कुशलताओं का विकास करना चाहते हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत भाषा के व्यापक अध्ययन की पृष्ठभूमि तैयार करने के साथ ही साथ स्नातकोत्तर संस्कृत करने वाले छात्र बी. एड. प्रशिक्षण करके माध्यमिक पाठशालाओं में अध्यापन भी करा सकते हैं। इस कार्यक्रम के पश्चात् शिक्षार्थी शोधकार्य भी कर सकते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा पद्धति से इस कार्यक्रम को अपने अध्ययन द्वारा भी संचालित करने के कारण दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले सभी वर्गों को संस्कृत शिक्षा का उच्च अवसर प्राप्त होता है जो किसी कारणवश उच्च शिक्षा से वञ्चित रह जाते हैं।

iii) लक्षित शिक्षार्थियों के समूह की प्रकृति

(Nature of prospective target group of learners)

- दूरवर्ती शिक्षा का यह कार्यक्रम प्रयोज्य आय से कम स्तर के शिक्षार्थियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूर्ण कर ग्रामीण व शहरी महिलाओं, अकुशल पुरुषों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के लिए ज्ञान का उपागम है।

- जो छात्र सीटों की सीमाओं के कारण शिक्षा की नियमित प्रणाली में स्नातक या स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने में अक्षम हो जाते हैं, दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम से यह केन्द्र उन्हें अवसर की सर्वश्रेष्ठ पेशकश प्रस्तुत करता है।
- किसी भी विषय में स्नातक उपाधि प्राप्त कोई भी इस कार्यक्रम में प्रवेश की पात्रता रखते हैं। प्रदेश के सभी उच्च पाठशालाओं के शिक्षक जो माध्यमिक पाठशालाओं में प्रवक्ताओं के पद पर उन्नति चाहते हैं या अन्य उद्देश्यों की पूर्ति करना चाहते हैं।

iv) मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षण माध्यम से संचालितइस कार्यक्रम का औचित्य (Appropriateness of programme to be conducted in ODL mode to acquire specific skills and competence)

- यह कार्यक्रम संस्कृत के स्नातक स्तर के शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करके उन्हें स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा के लिए प्रेरित करता है और स्नातकोत्तर शिक्षार्थियों को अनुसंधान की ओर प्रेरित करता है।
- विषय की जानकारी हेतु प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों को अध्ययन की सुगमता प्रदान करना।
- सहज, सुबोध और अध्यापन शैली में लिखित सामग्री के द्वारा विना कक्षा शिक्षण के ही अधिगम कराना।
- छात्र और शिक्षक के बीच सामग्री में ही संवाद की उपस्थिति से विषय को रूचिकर बनाना।
- तकनीकी के समावेश से पाठ्यसामग्री को आकर्षक व सुगम बनाकर छात्रों तक पहुँचाना।
- इस कार्यक्रम के माध्यम से समस्त भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा को समझने में सहायता मिलेगी। वेद, शास्त्र, उपनिषद्, गीता, रामायण, महाभारत आदि सभी भारतीय संस्कृति के ग्रन्थ संस्कृत भाषा में लिखे गए हैं। संसार में केवल संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जिसका सम्पूर्ण विश्व में एक समान प्रयोग होता है।
- इसका सुस्पष्ट व्याकरण और वर्णमाला की वैज्ञानिकता के कारण सर्वश्रेष्ठता संस्कृत की उपयोगिता को सिद्ध करता है।

v) निर्देशात्मक संरचना(Instructional Design)

- स्नातकोत्तर कक्षा के लिए पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर कक्षा का पाठ्यक्रम चार सत्रों में दो शैक्षणिक वर्षों के अन्तर्गत निर्धारित है। संक्षेप में शीर्षकों सहित पाठ्यक्रम निम्नलिखित है-

सत्र	पत्र शीर्षक	सत्र परीक्षा	आन्तरिक मूल्यांकन	कुल अंक
प्रथम	i नाटक तथा काव्य	80	20	100
	ii गद्य काव्य तथा साहित्यालोचन	80	20	100
	iii न्यायवैशेषिक-	80	20	100
	iv सांख्य तथा वेदान्त	80	20	100
द्वितीय	v वेद	80	20	100
	vi निरूक्त तथा उपनिषद्	80	20	100

	vii व्याकरण	80	20	100
	viii व्याकरण	80	20	100
तृतीय	ix भाषा विज्ञान(सिद्धान्त)	80	20	100
	X संस्कृत भाषा की संरचना	80	20	100
	xi काव्यशास्त्र	80	20	100
	xii काव्यशास्त्र	80	20	100
चतुर्थ	xiii गद्य, पद्य तथा चम्पूकाव्य	80	20	100
	xiv संस्कृत साहित्य का इतिहास	80	20	100
	xv नाटक तथा नाट्यशास्त्र	80	20	100
	xvi निबन्ध तथा अनुवाद	80	20	100
			कुल अंक	1600

➢ विस्तृत पाठ्यक्रम

एम0 ए0 संस्कृत परीक्षा

टिप्पणी

एम0 ए0 संस्कृत प्रथम तथा द्वितीय वर्षो के लिए कुल मिलाकर 16 पाठ्यक्रम निर्धारित है । प्रथम वर्ष की प्रथम तथा द्वितीय षाण्मासिकी के सभी पाठ्यक्रमतथा तृतीय षाण्मासिकी के नवम तथा दशम पाठ्यक्रम (भाषाविज्ञान) अनिवार्य है ।शेष पाठ्यक्रमों का चुनाव वर्गानुसार होगा।चार वैकल्पिक वर्ग है- (क) वैदिक साहित्य (ख) व्याकरण (ग) लौकिक संस्कृत- साहित्य तथा (घ) भारतीय दर्शन । पत्राचार - पाठ्यक्रम के माध्यम से एम0 ए0 (संस्कृत) करने वाले परीक्षार्थीयों के लिए सम्प्रति वैकल्पिक वर्ग (ग) की ही व्यवस्था है, अतः वे केवल यही वर्ग ले सकते है। व्यक्तिगत (प्राइवेट) परीक्षार्थी के लिए केवल यही वर्ग है जिसका अध्ययन विश्वविद्यालय विभाग में किया जा रहा है, अन्य नहीं ।

विशेष टिप्पणी

नियमित तथा पत्राचार छात्रों के लिए प्रत्येक पेपर 80 अंक का तथा 20 अंको की आंतरिक कूत (Internal Assessment) होगी। कुल मिलाकर प्रत्येक पेपर 100 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए अंक विभाजन संलग्न पाठ्यक्रम के अनुसार होगा और प्रश्न पत्र पर कोष्ठक में अंक दिये जाएगें ।

प्रथम षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम प्रथम — नाटक तथा काव्य

(क) भवभूति उत्तररामचरित

(ख) श्रीहर्ष नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग

पाठ्यक्रम -द्वितीय — गद्य काव्य तथा साहित्यालोचन

(क) बाणभट्टः कादम्बरी कथामुखम्

(ख) विश्वनाथः साहित्यदर्पण परिच्छेद प्रथम, द्वितीय

तथा तृतीय (कारिका संख्या 31- 130 को छोडकर)

पाठ्यक्रम तृतीय न्याय- वैशेषिक

(क) तर्कभाषा (अनुमान प्रयन्त)

(ख) तर्कभाषा (उपमान से अन्त तक)

पाठ्यक्रम चतुर्थ सांख्य तथा बेदान्त

(क) ईश्वरकृष्ण: सांख्यकारिका

(ख) सदानन्द : बेदान्तसार

(ग) कपिल, ईश्वरकृष्ण एवं सदानन्द पर परिचयात्मक प्रश्न

द्वितीय षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम-पंचम वेद

(क) ऋग्वेद अधोनिर्दिष्ट सूक्त

I. 19, 25,115,143,154

II. 12

III. 61

IV. 54

V. 83

VII. 54

X. 14, 90, 121, 125

(ख) अथर्ववेद (पृथिवी सूक्त)

पाठ्यक्रम - षष्ठ निरुक्त तथा उपनिषद्

(क) यास्क निरुक्तम् - प्रथम द्वितीय तथा सप्तम अध्याय

(ख) ईशोपनिषद्

(ग) तैत्तिरीयोपनिषद्

पाठ्यक्रम सप्तम व्याकरण

(क) वरदराज: लघुसिद्धान्त कौमुदी
(प्रारम्भ से सुबन्त प्रकरण तक)

(ख) वरदराज: लघुसिद्धान्त कौमुदी (तिङ्न्त प्रकरण)

पाठ्यक्रम -अष्टम: व्याकरण

(क) वरदराज: लघुसिद्धान्त कौमुदी
(कृदन्त प्रकरण से लेकर अंत तक)

(ख) भट्टोजिदीक्षित: सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)

तृतीय षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम नवम भाषा विज्ञान

1. भाषा की प्रकृति एवं कार्य ।भाषा व वाक् ।भाषा का अध्ययन करने के सांकलिक एवं कालक्रमिक उपगम ।

2. उच्चारणात्मक स्वन- विज्ञान वागवयव तथा उनके कार्य, खण्डात्मक वाक्स्वनों का वर्गीकरण तथा वर्गीकरण केआधार।अधिखण्डात्मक लक्षणः दीर्घता,बालाघात,स्वराघात,अनुनासिकता आदि।भेदक अभिलक्षणात्मक विश्लेषण। स्वनिक, अभिलेखन की पद्धतियाँ।

3. स्वनप्रक्रियात्मक सिद्धान्तः स्वन विज्ञान तथा स्वनिमविज्ञान, स्वन, सस्वन,स्वनिम, स्वनिमिक विश्लेषण के सिद्धान्त। रूपस्वनिमिकी, वाक्स्वनों के स्थानाश्रित परिवर्तों का संघटन। स्वनप्रक्रियात्मक नियमों की संघटना एवं भेदक अभिलक्षण, स्वन प्रक्रियात्मक नियमों के गुण ।

4. वाक्यविन्यासात्मक विश्लेषण की प्रकृति: विभिन्न उपगम वाक्यविन्यास के घटक।वाक्यविन्यासात्मक रचनाओं के प्रकार। गहन तथा बहिस्तलीय संरचना। रूपान्तरण।

पाठ्यक्रम दशम: संस्कृत भाषा की सरंचना

1. संस्कृत की स्वनप्रक्रियात्मक संरचना: वाक्स्वन तथा उनका वर्गीकरण, स्वर -गुण, स्वर उसकी प्रकृति तथा प्रकार्य, दीर्घता अनुनासिकता, अनुस्वार तथा अनुनासिक में भेद। उच्चस्तरीय स्वनप्रक्रियात्मक घटकों का संघटन ।

2. सन्धि प्रकार एवं मुख्य अभिलक्षण ।

3. पद -भेद संज्ञाएं तथा उनके उपवर्गीकरण प्रतिपादिक रचना: कृदन्त,तद्धित समासयुक्त तथा पुनरावृत्ति- मूलक विभक्तिपरक कोटियां।क्रियाएः धातुएं मुक्त तथा साधित क्रियारूपीय गण, क्रियारूप- काल तथा वृति व्यवस्थाएं, सार्वधातुक- आर्धधातुक प्रभेद, अव्यय ।

4. वाक्यविन्यासात्मक संरचना: कारक, पद -क्रम ।

5. संस्कृत का इतिहास:वैदिक तथा लौकिक संस्कृत की मुख्य स्वनप्रक्रियात्मक तथा व्याकरणात्मक विशेषताएं ।

पाठ्यक्रम-एकादशः काव्यशास्त्र

1. मम्मट: काव्यप्रकाश उल्लास 1- 6

पाठ्यक्रम-द्वादश काव्यशास्त्र

1. मम्मट: काव्यप्रकाश उल्लास 7- 10

चतुर्थ षाण्मासिकी

पाठ्यक्रम - त्रयोदशः गद्य, पद्य तथा चम्पू काव्य

(क) सुबन्धु:वासवदत्ता

(सं0 पं0 शंकर देव शास्त्री चैखम्बा विद्याभवन बाराणसी द्वितीय संस्करण1976 पृ0 207 से 259 अकरोच्च मनसि अहो भुवनातिशायि सौन्दर्यम् अहोश्रृङ्गारकलाकौशलम् .... से लेकर अंत तक

(ख) दण्डी: दशकुमारचरितम् सप्तम उच्छवास (मन्त्रगुप्त चरित)

(ग) माघ शिशुपालवधम् सर्ग (प्रथम)

(घ) अनन्तभट्ट :चम्पूभारतम् प्रथम स्तबक

पाठ्यक्रम-चर्तुदश: संस्कृत -साहित्य का इतिहास

(क)महाकाव्यकार - वाल्मीकि, व्यास, अश्वघोष, कालिदास, भारवि,माघ, श्रीहर्ष

(ख) नाटककार - भास, कालिदास, भवभूति,हर्षवर्धन, भट्टनारायण, विशाखदत्त

(ग) गीतिकाव्यकार- कालिदास, जयदेव,भर्तृहरि, अमरूक

पाठ्यक्रम-पंचदश: नाटक तथा नाट्यशास्त्र

1. शुद्रक मृच्छकटिकम्

2. विश्वनाथ साहित्य दर्पण षष्ठ -परिच्छेद

(सन्ध्यङ्‌ ,नाट्यालंकार, वीथ्यङ्ग तथा लास्याङ्ग भाग को छोडकर ।)

पाठ्यक्रम -षोडश निबन्ध तथा अनुवाद

1. निबन्ध (साहित्यिक)

2. अनुवाद

- कार्यक्रम की अवधि
  न्यूनतम अवधि 2 वर्ष
  अधिकतम अवधि 5 वर्ष
- संकाय सदस्य

यद्यपि कार्यक्रम को चलाने के लिए संस्कृत विषय में दो शिक्षक डॉ. देवराज तथा डॉ. लता देवी सहायक आचार्य कार्यरत हैं, फिर भी व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम को संचालित करने के लिए हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के शिक्षकों को समय-समय पर अध्यापन करने के लिए आमन्त्रित किया जाता है।

- निर्देशात्मक वितरण प्रणाली
  - निर्देशात्मक प्रणाली के अन्तर्गत स्वयं शिक्षण सामग्री के रूप में पाठ्यक्रम की मुद्रित सामग्री पञ्जीकरण के लिए नामांकन करते समय छात्र को वितरित की जाती है। हम दो प्रकार से अपने शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करते हैं।
  - पहला उनके साथ व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम निश्चित कर उनकी जिज्ञासाओं का निराकरण कक्षा प्रकोष्ठ में करते हैं और दूसरा उन्हें घर पर ही पाठ्यक्रम की लिखित सामग्री डाक द्वारा भी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए उपलब्ध करवाते हैं।
  - Online कक्षा के माध्यम से भी पाठ्य सामग्री से सम्बन्धित और उनकी अन्य जिज्ञासाओं का निराकरण भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त अन्य कार्यदिवस पर शिक्षार्थियों की शंकाओं का समाधान सम्बन्धित शिक्षकों के द्वारा किया जाता है।
  - इक्डोल अपने शिक्षार्थियों के लिए दृश्य और श्रव्य साधनों से पाठ्य सामग्री को उपलब्ध करवाने में असमर्थ है। लेकिन भविष्य में इस सुविधा को अपने शिक्षार्थियों को देने में कृतसंकल्प है।
  - छात्र सहायक तन्त्र - व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम स्नातकोत्तर स्तर के लिए वर्ष में दो बार 7-7 दिन में आयोजित किए जाते हैं।
  - व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम के समय स्मार्ट क्लास रूम में कक्षा आयोजित की जाती है। कक्षा तथा परीक्षा के समय छात्रों को छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध करवाते हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्र में पूछताछ सैल में आकर अपने शंकाओं का समाधान कर सकते हैं।

vi) प्रवेश, पाठ्यक्रम वितरण और मूल्यांकन प्रक्रिया

(Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation)

- प्रवेश प्रक्रिया
  - ➢ अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र हि. प्र. विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश के लिए निर्धारित योग्यता को पूरा करने वाले किसी भी छात्र को बिना किसी प्रवेश परीक्षा के प्रवेश देता है।
  - ➢ अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र में प्रवेश लिए विवरणिका मई/जून में उपलब्ध करवा दी जाती है और प्रवेश जुलाई/अगस्त तक दिया जाता है। इसके अतिरिक्त जनवरी में भी प्रवेश की प्रक्रिया रहती है। इसके पश्चात् भी अतिरिक्त फीस जमा करवाकर प्रवेश दिया जाता है।
  - ➢ स्नातकोत्तर प्रवेश के लिए शिक्षार्थी का स्नातक होना आवश्यक है। इसमें सीटें निर्धारित नही की गई हैं। वह असीमित है।
  - ➢ व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम स्नातकोत्तर कक्षा के लिए नवम्बर और मई में सात-सात दिन में आयोजित किए जाते हैं।
  - ➢ स्वयं शिक्षण सामग्री के रूप में पाठ्यक्रम की मुद्रित सामग्री को पञ्जीकरण के लिए नामांकन करते समय छात्र को वितरित किया जाता है।
- न्यूनतम योग्यता

स्नातकोत्तर प्रवेश के लिए शिक्षार्थी का स्नातक होना आवश्यक है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश के लिए निर्धारित योग्यता पूरी करने वाला कोई भी छात्र प्रवेश ले सकता है। इसमें सीटें निर्धारित नही की गई हैं। वह असीमित है।

- शुल्क संरचना **(Fee Structure)**

Course/Class	**Fee for students passing from H.P. Board & to be registered with H.P.U.**	**Fee for students already regd. with H.P. University**	**Fee for students coming from other University/Board & not regd. with H.P.U.**
M.A. (Sem. System)	3500/-	3300/-	3600/-

- वित्तीय सहायता

लड़कियों तथा SC/STछात्रों से केवल पञ्जीकरण शुल्क 500/ तथा पाठ्य सामग्री के 500/ ही लिए जाते हैं। बाकी उनसे अन्य फीस नहीं ली जाती है। दिव्यांग छात्रों को निशुल्क ही प्रवेश दिया जाता है।

➢ कार्यक्रम को वितरित करने के लिए अपनाएं जाने वाले उपकरण

- व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम के समय स्मार्ट क्लास रूम में कक्षा आयोजित की जाती है।
  - ➢ इक्डोल अपने शिक्षार्थियों के लिए दृश्य और श्रव्य साधनों से पाठ्य सामग्री को उपलब्ध करवाने में असमर्थ है। लेकिन भविष्य में इस सुविधा को अपने शिक्षार्थियों को देने में कृतसंकल्प है।
- शैक्षणिक सत्र के समय शैक्षणिक गतिविधियों का योजनाकार

Academic Calendar (Tentative)

Month	**Activities**
December/Jan	Preparation and publishing of Prospectus for Jan Batch
June/July	Preparation and publishing of Prospectus for July Batch
January	Admissions Jan Batch
July/August	Admissions July Batch

March/April	1st Phase of PCPs (1st Sem. & 3rd Sem.) (7days for each semester) Jan Batch
September/October	1st Phase of PCPs (1st Sem. & 3rd Sem.) (7days for each semester) July Batch
June/July	Examinations of 1st Sem. & 3rd Sem. As per H.P. University Schedule for Jan Batch
November/December	Examinations of 1st Sem. & 3rd Sem. As per H.P. University Schedule for July Batch
January/February	Vacations as per H.P. University schedule
September/October	2nd Phase of PCPs (2nd Sem. & 4th Sem.) (7days for each semester) July Batch
March/April	2nd Phase of PCPs (2nd Sem. & 4th Sem.) (7days for each semester) Jan Batch
November/December	Examinations of 2nd Sem. & 4th Sem. as per H.P. University Schedule for July Batch
June/July	Examinations of 2nd Sem. & 4th Sem. as per H.P. University Schedule for July Batch

- ➢ प्रवेश लिए विवरणिका मई/जून में उपलब्ध करवा दी जाती है और प्रवेश जुलाई/अगस्त तक दिया जाता है। इसके पश्चात् भी अतिरिक्त शुल्क जमा करवाकर प्रवेश दिया जाता है। इसके अतिरिक्त जनवरी में भी प्रवेश की प्रक्रिया होती है।
- ➢ इसके पश्चात् मई और अक्तूबर-नवम्बर माह में व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।
- ➢ जून और दिसम्बर माह में परीक्षा आयोजित की जाती है।

- मूल्यांकन की प्रक्रिया

➢ अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र के शिक्षार्थियों के लिए परीक्षा विश्वविद्यालय के द्वारा स्थापित परीक्षा केन्द्रों में आयोजित होती है।

➢ शिक्षार्थियों के मूल्यांकन की प्रक्रिया 100 अंकों में से होती है। स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा 80 (लिखित) और 20 (आन्तरिक मूल्यांकन) अंकों की होती है।

➢ स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा का मूल्यांकन नियमित विद्यार्थियों के साथ बाहरी विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। परीक्षा हिन्दी व संस्कृत माध्यम के साथ होती है।

➢ शिक्षार्थियों द्वारा प्रेषित समनुदेशन (ASSIGNMENT) का केन्द्र में कार्यरत शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

vii) प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता

(Requirement of the laboratory support and Library Resources)

दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत संस्कृत में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को सुचारु रूप से सम्पन्न करने के लिए पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता बहुत अधिक रहती है। अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र का अपना एक पुस्कालय है जिसमें संस्कृत विषय के साथ कुल मिलाकर 25795 पुस्तकें उपलब्ध हैं। जिसमें संस्कृत विषय की 1500 पुस्तकें हैं। इस पुस्तकालय में 40 शिक्षार्थियों के बैठने की सुविधा उपलब्ध है।

पुस्तकालय में पाठ्यक्रम सामग्री के अतिरिक्त अन्य सन्दर्भित अद्यतन ग्रन्थ उपलब्ध करवाए जाते हैं।

दूरस्थ शिक्षा के लिए पुस्तकालय में अधिक शीर्षकों को शामिल करके नवीनतम पत्रिकाओं को भी उपलब्ध करवाया जाता है।

viii) कार्यक्रम की अनुमानित लागत (Cost Estimate of the Programme)

अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रमों, पाठ्य सामग्री लिखवाने और विशिष्ट व्याख्यान पुस्तकालय में पुस्तकों, स्मार्ट कक्षा प्रकोष्ठ पर खर्च व्यय करता है।

Cost Estimate of the Programme and the Provisions

Sr.	Type of Head	Expenditure Session 2020-21	Proposed Cost Estimation (Hike @10%
1.	**Programme Development**		
i.	Development and Printing Cost of Self Learning Material	49,837/-(Only for Sanskrit)	54,820/-(Only for Sanskrit)
ii.	Purchase of Books for Library	45,317/-(For all Courses)	49,848/- (For all Courses)
iii.	Stationary	NIL	2,10,627/-(For all Courses) basis of cost 2019-20
2.	**Delivery**		
i.	Advertisement	7,12,204/- (For all Courses)	7,83,424/-(For all Courses)
ii.	Telegram & Postage Charges of SLM	7,25,291/-(For all Courses)	7,97,820/-(For all Courses)
iii.	Expenditure on the Conduct of PCP	28000/-	30,800/-(Only for Sanskrit)
3.	**Maintenance**		
i.	Maintenance & Repairs of Laboratory Computers & Smart Classrooms	22674/- (For all Courses)	24,941/-(For all Courses)

ix) **पाठ्यक्रम की गुणवता प्रणाली एवं परिणाम**

(Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)

आवश्यकतानुसार विषय के सक्षम विशेषज्ञों के द्वारा पाठ्यक्रम को नवीन बनाने के लिए कार्य किया जाता है। साथ ही अध्ययन सामग्री के लेखन में सावधानी का पालन करते हुए सक्षम लेखकों द्वारा विशिष्ट पाठ्य सामग्री का सरल भाषा में लेखन कराया जाता है। फलस्वरूप संस्कृत के शिक्षार्थियों को विषय का स्तरीय ज्ञान प्राप्त करने में सुविधा प्राप्त होती है, जिससे वह प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त कर लेते हैं तथा यू.जी.सी. की नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा में भी जाते हुए दिखाई देते हैं।

प्रस्तुतकर्त्ता

डॉ. देवराज

सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग

अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र के आन्तरिक गुणवता आश्वासन प्रकोष्ठ (CIQA) के सदस्य

डॉ. जोगिन्द्र सिंह
(सदस्य)

डॉ. चमन लाल
(सदस्य)

डॉ. अश्वनी राणा
(सदस्य)

प्रो. हरि मोहन
(सदस्य)

प्रो. संजु करोल
(सदस्य)

प्रो. पी. के. वैद
(सदस्य)

अमर सिंह
(संयोजक)

(प्रो. कुलवन्त सिंह पठानिया)
निदेशक